**E -100 Marks**
**Batch – 2020-21 /**
**2021-22/2022-23/2023-24**

# टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

## एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

**सत्र – २**

**परीक्षा : मई – २०२४**

**विषय : प्राचीन काव्य – (भाग–२) (HDS - 202)**

---

**दि.: १७/०५/२०२४** **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००**

---

**सूचनाएँ :** १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

---

**प्र. १** मीराँ की भक्ति पद्धति, उसके इष्ट देव कृष्ण के संदर्भ सोदाहरण जानकारी दीजिए।

**प्र. २** मीराँ की रचनाओं में, अपने आराध्य के प्रति अभिव्यक्त प्रेम भावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

**प्र. ३** कवि बिहारी की रचनाओं में चित्रित सौंदर्य वर्णन को विशद कीजिए।

**प्र. ४** बिहारी के काव्य में चित्रित प्रकृति और भक्ति तथा नीति के दोहों पर प्रकाश डालिए।

**प्र. ५** बिहारी की भाषा शैली को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

**प्र. ६** मराठी संतों की हिंदी रचना के प्रयोजन के संदर्भ में सविस्तार जानकारी दीजिए।

**प्र. ७** संत नामदेव की हिंदी रचनाओं की सामान्य प्रवृत्तियों को स्पष्ट करते हुए, उनकी भक्तिभावना का परिचय दीजिए।

**प्र. ८** संत तुकाराम की हिंदी रचनाओं में अभिव्यक्त भक्ति पद्धति को विशद कीजिए।

**प्र. ९ निम्नलिखित में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।**

१. म्हारौ री गिरिधर गोपाल, दुसरौ णौ कुयाँ।

२. बतरस लालच लाल की
मुरली धरी लुकाय।
सौंह करै, भौहन हँसै, दैन कहि,
नटि जाय।

३. मन मेरा सुई तन मेरा धागा। खेचर जी के चरन पर नामा शिंपी लागा।

४. मेरे राम को नाम जो लेवे बारोबार उसके पाउं मेरे तन की पैजार ।।

**प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१. मीराँबाई के काव्य में गीतितत्त्व

२. बिहारी की भाषा

३. संत नामदेव के दार्शनिक विचार

४. महाराष्ट्र के प्रमुख धर्म संप्रदाय।

---